

## नाम में क्या रखा है-2

“प्रेषक : होलकर नज़ारा भूले नहीं भूलता, चिकनी,  
चमकदार चमड़ी का स्पर्श और चिकना पेट आँखों में  
घूमता रहा, माँ का भोंसड़ा प्लेबाय मैगजीन का !  
अन्दर आकर आंटी के नाम की इकसठ बासठ चालू !  
कूद के मनी बाहर और असीम शांति का अनुभव !  
हाथरस में जो मज़ा, वो किसी और में कहाँ [...] ...”

Story By: (8holkar)

Posted: गुरुवार, मार्च 27th, 2014

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [नाम में क्या रखा है-2](#)

## नाम में क्या रखा है-2

प्रेषक : होलकर

नज़ारा भूले नहीं भूलता, चिकनी, चमकदार चमड़ी का स्पर्श और चिकना पेट आँखों में घूमता रहा, माँ का भोंसड़ा प्लेबाय मैगजीन का ! अन्दर आकर आंटी के नाम की इकसठ बासठ चालू ! कूद के मनी बाहर और असीम शांति का अनुभव !

हाथरस में जो मज़ा, वो किसी और में कहाँ ! आप भी आनन्द से बैठो, हाथ भी हिलता रहे ।

पर कल की इस घटना से मेरी फट भी रही थी कि आंटी माँ से आकर न बोल दे, फिर मुझे हंसी आ गई, अनुवाद तो मैं ही करूँगा, घंटा बोलेगी ! दूसरे दिन आई तो मैंने छेड़ा- कल क्या हुआ बता दूँ ?

बोली- ज्यादा स्मार्ट मत बनो, इशारों से तेरी माँ को समझा दूँगी !

मैं सीधा हो गया, यह तो मेरी गुरु निकली ।

मम्मी बोली- क्या कह रही है ?

मैंने कहा- कल जो आपने चेताया था, सावधान किया था उसके लिए आपको थैंक्स कह रही है ।

खैर कुछ दिनों बाद दीदी के सुसराल में अचानक कुछ गमी होने के कारण सबको वहाँ एकाध हफ्ते के लिए जाना था, मम्मी मेरे लिए परेशान थी, उन्होंने मेरे खाने की बात आंटी से की तो वो बोली- कोई बात नहीं, इसकी फिकर मत करो !



फिर दोपहर में सब तैयारी में लगे थे, आंटी अपना मोबाइल लेकर मेरे पास आई कि- देख तो, इसमें पिकचर नहीं खुल रही है।

मैं उनसे बिल्कुल सट कर बैठ गया और मोबाइल उन्हीं के हाथ में देकर बोला- आप बाद में कैसे समझोगी, आप खुद करो, मैं बताता जाता हूँ !

और अपना हाथ दीवान पर बैठे बैठे पीछे से चूतड़ों तक ले जाकर उसकी दरार पर अंगूठा टिका दिया फिर हाथ थोड़ा ऊपर सरका कर साइड से आंटी के बूब दबाता रहा कभी ऊपर कभी नीचे लेकिन वो कुछ न बोली, पर जैसे ही गर्दन पर कान के नीचे गर्म सांस छोड़ी, वो चौंक कर एकदम उठ गई।

वो मारा पापड़ वाले ने ! हर औरत की कहीं न कहीं किसी स्पार्ट बहुत ज्यादा सैसेशनल होता है, तो यह है आंटी का कमजोर हिस्सा जिस पर एक वार से दीवार भरभरा कर गिर पड़ेगी।

आंटी डांटते से अंदाज़ में बोली- पर बाबा तू या तो कल तेरे अंकल के सामने ही आना और नहीं तो खिड़की से ही अपना नाश्ता खाना ले जाना क्योंकि तुझसे डर लग रहा है, कल तेरे अंकल ने चेतावनी दी है मेरे जाने के बाद दरवाज़ा बोल्ट कर लेना, कोई भी खटखटाए तो मत खोलना क्योंकि वो कंपनी के काम से शहर के बाहर जा रहे हैं, परसों सुबह ही आयेंगे।

मैं सर खुजाते हुए समझ नहीं पाया यह मेरे लिए खुली चेतावनी थी या छिपा आमंत्रण...

दूसरे दिन परिवार सुबह जल्दी ही निकल गया, मैं सोने का बहाना बनाये बिस्तर पर पड़ा रहा उनके जाने के बाद छिपकर खिड़की से देखता रहा कि कब अंकल निकलते हैं।

जैसे ही वो गए, मैं पहुँच गया, आंटी ने कहा- देर से क्यों आया... चल बोल मसाला रेडी है, इडली, डोसा, उपमा... क्या खाना है ?



मैं तो कुछ और ही खाने के मूड में हूँ ! फिर सर को झटक कर समय बचाने को कह दिया- यह सब मुझे ज्यादा पसंद नहीं, आप तो कुछ फास्ट फूड जैसा बना दो !

आंटी मेरी आँखों में आँखें डालकर रहस्यमय ढंग से मुस्कुराती हुई बोली- फिर क्या पसंद है ?

मैं अन्दर की तरफ बढ़ने लगा तो कहने लगी- अन्दर कंपनी का सामान फैला हुआ है, यही बेड पर बैठ जा !

उसी के पास उनकी छोटी सी साफ़ सुथरी रसोई उनके सुघड़ होने की चुगली कर रही थी ।

आंटी ने एक छोटे कटोरे में ढेर सारी कतरी हुई बादाम, किशमिश, कार्नफ्लेक्स डालकर फ्रिज से ठंडा दूध मिला कर मुझे दे दिया दिया । मैंने कहा- इतनी बादाम डालोगी तो मुझे प्रॉब्लम हो जाएगी...

“क्या प्रॉब्लम हो जायेगी ?” आंटी फिर साउथ की इंग्लिश में फड़की ।

मैंने कहा- इसके बाद कुछ हो जाता है ।

आंटी ने फिर वही रहस्यमई मुस्कान बिखेरी, मैं शरमा कर नीचे देखने लगा, बाबूराम सर पूरी ताकत से ताने कपड़े फाड़ कर बाहर निकलने को बेताब था और मैं शुक्र मना रहा था कि आज बरमूडा के जींस जैसे मोटे कपड़े ने इज्जत रख ली, वरना..

पर हमेशा की तरह शायद आंटी की नज़र भी वहीं थी, खंखार कर बोली- वहाँ क्या देख रहा है ? वहाँ कुछ होता है क्या ? इधर देख...

फिर प्याला देते समय आंटी ने दूध मेरे बरमूडा पर जान बूझकर छलका दिया और बिल्कुल मासूम सी बनते बोली- अरे ! सॉरी सन्नी, पूरा गीला हो गया, चलो लाओ, इसे उतार दो





और अंकल की लुंगी बाँध लो !

लेकिन जब मैं नहीं माना तो थोड़ी सी नाराज़ हो गई और कहने लगी- मुझे मालूम है तू क्या चाहता है, रोज़ में जब रात मैं टायलेट जाती हूँ तो क्यों खांस कर बताता है कि तू मुझे देख रहा है, घर में भी तू तो मुझसे बहुत चिपकता है, आने दे तेरी माँ को, शिकायत करूँगी !

आंटी का नया रूप देखकर गांड फट गई, लौड़ा ऐसे पिचक गया जैसे किसी ने गुब्बारे में पिन मार दी हो, उतरा चेहरा और बैठा लौड़ा दोनों को देख कर आंटी ने दूसरा दांव चला, बड़ी जोर से हंसी और चहकी- अरे सन्नी, मैं तो मज़ाक कर रही थी। अच्छा तू मेरी एक परेशानी सुलझा दे, तेरे अंकल बता रहे थे तुम लोगो का सरनेम होलकर है। पहली बार इसे इंग्लिश में सोचा तो हंसी आ गई, होल करने वाले ! तो तेरे अंकल बताने लगे कि वैसे तो इंग्लिश से कुछ सम्बंध नहीं पर इनके हथियार बहुत मशहूर हैं।

मैंने चौंक कर कहा- हथियार ?

क्योंकि यह पहले भी कई दोस्तों से सुन चुका था, आपको एक बात बता दूँ हमारे पूर्वज पहले इस क्षेत्र पर शासन करते थे, अब तो नाम या यह कहें कि बदनाम ही रह गया है क्योंकि ब्रिटिश राज में एक राजकुमार द्वारा एक वेश्या और उसके आशिक की हत्या में राज परिवार की बहुत थू थू हुई थी। हमारे वंश के लंबे लंड और स्तम्भन शक्ति पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। दूसरी बात जो शक्ति वर्धक चूर्ण वोह खाते थे, उससे लौड़े घातक होकर बहुत देर तक चलते थे बल्कि जिस कागज़ की पुड़िया में काम शक्तिवर्धक चूर्ण होता था खाने के बाद उसे फेंकते तो उसे उठाने में वहाँ सैनिकों में घमासान हो जाता था क्योंकि वो कागज़ जो भी उसे चाट लेते थे वह भी दो दो घंटे अपनी औरतों को चौदते थे। कहा तो यह भी जाता है अब भी पिता अपने नौजवान बेटों को किसी न किसी बहाने से यह शक्ति वर्धक चूर्ण चटा ही देते हैं...



तो देखा नाम का जादू बेचारा शेक्सपियर...

आंटी के मुंह से हथियार की बात सुनते ही थोड़ा संभलते हुए मैंने सोचा- अब गई भैंस पानी में ! अंकल तो आने वाले नहीं ! और अब गेंद मेरे पाले में है, अगर आज ढंग से नहीं खेला तो यह आंटी कभी हाथ नहीं धरने देगी ।

मैंने पैतरा बदल कर नई चाल चलते हुए 'अब जो होना है हो जाए' थोड़ी हिम्मत करते हुए कहा- इसके दर्शन की अनोखी परंपरा है आप नहीं निभा पाओगी ! हथियार बिना कपड़े के (अनावृत) बाहर निकलने के बाद सर पर छुआ कर प्रणाम करना पड़ता है, जो फिर कोई बात नहीं, कोई भी शीश नवा ले, पर जब हथियार दूध में नहाया हो तो प्रणाम की स्थिति भिन्न होती है दर्शनाभिलाषी को दूध अपनी जीभ से चाट कर साफ़ करना पड़ता है आप कहो तो ठीक, नहीं तो मैं वैसे ही ठीक हूँ...

आंटी फिर धत ! कह कर मुंह में अपने सर पर बंधा सफ़ेद काटन का कपड़ा जो उन्होंने नहा कर बाँधा था, हँसते हुए मुंह में ठूस लिया । मैंने भी सोचा कि पासा सही पड़ा है, मैं उठने लगा कि जाकर बरमूडा बदलता हूँ, कार्नफ्लेक्स घर पर ही खा लूँगा ।

तो आंटी आगे बढ़ी, शायद इस मौके को वो भी गंवाना नहीं चाहती थीं, अचानक मेरे लंड पर हाथ रख कर बोली- यही विधि है तो यही सही, पर तू अंकल की लुंगी तो बाँध ले !

कह कर मेरा बरमूडा नीचे खींच दिया, इलास्टिक बेल्ट से टकराते हुए फट की आवाज़ से लौड़ा बाहर कूद पड़ा । आंटी के मुंह से वाह ! निकला और अगले ही पल लौड़ा गप से मुंह में भर लिया और चुसना शुरू किया बल्कि ये कहें कि जंगली बिल्ली की तरह उस पर झपट पड़ी और ऐसे चूसने लगी लगा काट कर खा ही जायेगी, लौड़े की जड़ में चिरमिराहट और जलन हो रही थी !



मादरचोद रांडों को भी मात कर रही थी, पूरा सरकाते हुए कंठ तक ले जाती, मुंह से जब गुं... गुं... की आवाज़ आने लगती और ऐसा लगता यह उल्टी न कर दे फिर पुच्च की आवाज़ से लौड़ा बाहर उगल देती, फिर थू कर के उस पर थूकती, फिर चूसने लगती ! जब पूरा कंठ तक उतार लेती तो उलटी जैसी हालत हो जाती और आँखों में आंसू तैर जाते थोड़ी देर सांस लेने के लिए मुंह से निकालती भी तो हाथ से लगातार रगड़े जाती ।

लौड़ा ऐसे चूस रही थी, डर होता था टूट ही न जाए, लेकिन काफी जोर आजमाइश के बाद भी जब कुछ न हुआ, शायद आंटी का ब्लू फिल्म का अनुभव भी काम न आया तो उसकी आँखें चमक उठी उधर मेरी यह हालत थी कि बस ! क्योंकि अगर ये प्यार से चूसती तो शायद में झड़ भी जाता या फिर शायद रात में आंटी के नाम की मुठ मारने की वजह से अभी तक जोर बना हुआ था ।

थक कर प्यार से देखते हुए आँखों ही आँखों में बोली- वाकयी, यथा नाम तथा गुण !

मैंने कहा- आप जबरदस्ती परेशान हुई और मुझे बड़े धर्म संकट में डाल दिया । अब मैं क्या करूँ, घर कैसे जाऊँ ? किसी ने देख लिया तो ? अब जब तक इसको ठंडक नहीं मिलेगी, बैठेगा नहीं, आपका मुंह गर्म है, कहीं और की गर्मी भी उल्टा काम करती है जैसे टांगों के बीच की गर्मी ! अब क्या करूँ यह कैसे बैठेगा...

बड़बड़ाते हुए मासूमियत से आंटी के चेहरे को देखा, अब वहाँ आँखों में लाल डोरे तैर रहे थे, बाल चेहरे पर ऐसे झूम रहे थे जैसे मेघ छोटी सी पहाड़ी के गिर्द घेरा डाले हों, गालों के गड्ढे सिल्क स्मिता की सेक्सी इमेज के हर रिकार्ड को तोड़ने में बिजी थे, हर सांस पर सीना सुनामी ला रहा था ।

आंटी मुझे अपने तरफ ऐसे देखते बोली- नहीं, चल थोड़ी और कोशिश करती हूँ !



फिर पास की मेज से एक हाल्स की गोली मुंह में डाली और उसे चूसने लगी, हाथ से लौड़ा भी हिलाती जा रही थी। किस्मत की बात मैंने रात में ही मुठ मार ली थी। हाल्स का थूक मेरे लंड पर गिरा कर फिर गरम मुंह और बहार निकलती तो हाल्स के कारण हवा से ठंडा लगता इस ठण्डे गरम से फुरेरी आने लगी और कई बार लगा बस अब छुट हुई के तब ! वीर्य कूद कर बाहर आ ही जायेगा, जैसा ही ऐसा होने लगता अपना ध्यान इस सबसे भटका और हटाकर आंटी को छेड़कर कहता- अब कुछ नहीं होगा अब तो सारे छेद भर कर भी नहीं मानेगा यह लेज़र गाईडेड मिसाईल से भी ज्यादा खतरनाक हो गया है।

थोड़ी देर कोशिश के बाद हिम्मत टूट गई और आंटी कहने लगी- बस अब मेरा मुंह दुःख गया ! अब तू जो चाहे कर राजा, मैं तेरी दासी !

उन्होंने सर पर कपड़ा कब लपेट लिया था, ध्यान ही नहीं रहा। 'हाय मेरी सिल्क स्मिता ! मैंने दिल में सोचा, मैंने धीरे से सर का कपड़ा खोला तो सीले सीले बाल मेरे ऊपर आ गए। मैंने धीरे से ब्लाउज के बटन को एक उंगली से स्टाईल से उचकाकर खोला तो बूब्स बाहर उछल पड़े और आंटी माधवी और भानुप्रिया के मिलेजुले रूप में मेरी स्टाईल पर दाद देती सी लगी कि 'राजा बहुत घाटों का पानी पिए लगते हो ?' और आँखों में वो चमक आई जो बराबर वाले खिलाड़ी से प्रतिस्पर्धा में आती है।

खुसरो बाज़ी प्रेम की

मैं खेलूँ पी के संग

जीत गई तो पीया मोरे,

हारी तो मैं पी के संग !

कहानी जारी रहेगी...





## Other stories you may be interested in

### आंटी की चुदासी चूत में मेरा लंड

दोस्तो, मेरा नाम जिगर पटेल है, मैं भावनगर, गुजरात में रहता हूँ। अभी मैं सिर्फ 18 साल का हूँ। आप सोचोगे कि इतनी छोटी उम्र में मैंने आंटी की चुदाई करके ये हिंदी सेक्स स्टोरी कैसे लिख दी। तो बात [...]

[Full Story >>>](#)

### बुआ की सेक्सी किरायेदार की चूत मिल गई चोदने को

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम अमित है, मेरी यह कहानी पिछले साल की है.. जब मैं पढ़ने के लिए अपनी दूर की बुआ के घर रहने गया था। बुआ का घर बहुत बड़ा था और उनके घर पर कई कमरे किराए [...]

[Full Story >>>](#)

### गांव की देसी दीदी की चूची और चूत

मेरा नाम सौरभ (बदला हुआ) है, मैं अन्तर्वासना डाट कॉम का बहुत बड़ा फैन हूँ। यहाँ के अनुभवों से ही मैंने लड़की को लाइन में ला कर चुदाई करना सीखा है। इस चीज़ के लिए मैं अन्तर्वासना डाट कॉम का [...]

[Full Story >>>](#)

### दोस्त की अम्मी ने मुझे पटा कर चूत चुदा ली

हैलो फ्रेंड्स, क्या हाल है? सबके लंड और चूत मस्त हैं ना.. चूत को लंड और लंड चूत मिल रही है ना.. दोस्तो, मेरा नाम समर है और मैं 24 साल का हूँ। मेरा रंग सांवला जरूर है.. पर दिखने [...]

[Full Story >>>](#)

### पड़ोसन विधवा को पटा कर चूत चोदी

अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है। मुझसे कुछ भूल हो जाए.. तो प्लीज़ माफ़ कर दीजिएगा। मेरा नाम शुभम है.. मेरी उम्र 40 साल है। ये बस उस वक्त की है.. जब मेरा और मेरी बीबी का झगड़ा हो [...]

[Full Story >>>](#)





## Other sites in IPE

### Indian Porn Live



Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

### Suck Sex



Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

### Savita Bhabhi Movie



Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

### Antarvasna Shemale Videos



Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

### FSI Blog



Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

### Tamil Kamaveri



ஆடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதுல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்